Imp-

Q. लार्ड विलियम कैंडिस बैंटिक को भारत में आधुनिक भारत का जनक माना जाता है।

Ans - 1828 से 35 के बीच विलियम बैंटिक के शासन के दौरान कई स्तर पर नई शुरुआत हुई और शासन नवीन स्वरूप ग्रहण किया उसका काल भारत के इतिहास में साम्राज्य विस्तार की दृष्टि से नहीं बल्कि शांतिपूर्ण सुधार के लिए उल्लेखनीय है जिसके तहत निम्न बातें उल्लेखनीय हैं :-

(i) आर्थिक स्तर पर उसने आय में वृद्धि और व्यय में कटौती कर राज्य के वित्तीय संतुलन को सुधार दिया। उसका काल भारत में वाणिज्यिक कृषि के विकास के लिए विशेषतः उल्लेखनीय है और मुक्त व्यापार की नीति इस काल में और भी मजबूत हुई। उसने उपयोगितावाद के आधार पर कुल उत्पादन में उत्पादन लागत को घटाकर भू राजस्व की महालवाड़ी प्रणाली की शुरुआत किया। होल्ट मैकेंजी

(ii) सामाजिक स्तर पर इसका काल परम्परा आधारित अमानवीय व्यवस्था की समाप्ति के लिए विधि की सक्रियता की शुरुआत का काल है। इसके तहत 1829, धारा-17 सती प्रथा पर पाबन्दी लगी, कन्या शिशु हत्या पर रोक लगी। नरबली पर पाबन्दी लगी। दास प्रथा को समाप्त करने के लिए विधि का निर्माण हुआ और ठगी प्रथा की समाप्ति हुई। 1837

(iii) इसका काल भारत में बौद्धिक विकास के लिए निर्णायक है क्योंकि इसी काल में अंग्रेजी भाषा में पश्चिमी विषयों की शिक्षा देने की योजना पर सरकार की सहमति बनी। स्मरणीय है कि आधुनिक भारत के निर्माण में आधुनिक शिक्षा का निर्णायक महत्व माना जाता है।

Scanned with CamScanner

(iv) प्रशासनिक स्तर पर उसका काल निम्न बातों के लिए उल्लेखनीय है। -

(a) वह भारत का पहला गवर्नर जनरल बना।

(b) ~~इसके पूर्व~~ इसने विधि के संहिताकरण की शुरुआत किया।

(c) इसके काल में प्रशासनिक नियुक्तियों में किसी भी प्रकार के भेद (नस्लीय भेद) की ~~अस्व~~ अस्वीकृति हो गयी।

1833 के चार्टर एक्ट धारा 87 के तहत

बेंटिक को कुछ इतिहासकार भारत का पहला उपयोगितावादी गवर्नर जनरल मानते हैं। और कहते हैं कि उसके उपयोगितावादी सुधारों से आधुनिक भारत के निर्माण की प्रक्रिया प्रशस्त हुई लेकिन इस क्रम में तीन बातें स्मरणीय हैं।

(a) उसके शासन के दौरान अपनायी गयी आर्थिक नीति ने भारत को बहु भाँति ~~नुकसान~~ से साम्राज्य के आर्थिक शोषण का शिकार बनाया।

(b) उसके सामाजिक सुधार एवं शिक्षा सम्बन्धी नीति का सम्बन्ध इंग्लैण्ड के औद्योगिक पूँजीवाद से बहुत गहरे से जुड़ा हुआ था।

(c) उपरोक्त सीमाओं के बावजूद बेंटिक के शासनकाल को कई स्तर पर भारत में नवीन युग की शुरुआत का एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा सकता है।

- आर्थिक स्तर पर वित्तीय संतुलन - आमदनी बढ़ाकर, खर्च घटाकर | महाजनकारी
- सामाजिक स्तर पर व्यापक कुरीतियों का उन्मूलन - सती प्रथा, कन्याशिशु हत्या, नरबली, दास प्रथा।
- विधिक संहिताकरण, अंग्रेजी भाषा - शिक्षा
- प्रथम गवर्नर जनरल, नस्लीय भेद का खात्मा

Scanned with CamScanner